भट्टारक विद्याभूषण

जीवन-परिचय : भट्टारक विद्याभूषण विद्वान भट्टारक विश्वसेन सूरि के शिष्य थे। इनका परिचय या नामोल्लेख किसी भी ग्रन्थ में नहीं मिलता है।

इनका समय विक्रम संवत् 17वीं शताब्दी है।

रचना-परिचय : ये संस्कृत और गुजराती भाषा के विद्वान थे। इनकी संस्कृत और हिन्दी गुजराती मिश्रित अनेक रचनाएँ उपलब्ध हैं।

संस्कृत रचना : 1. भविष्यदत्तरास (संवत् 1600), 2. द्वादशानुप्रेक्षा।

हिन्दी, गुजराती-रचना :

1. जम्बूस्वामी चरित्र (संवत् 1653 में हुई), 2. वर्द्धमान चरित्र, 3. बारह सौ चौंतीस विधान, 4. पल्यविधान पूजा (संवत् 1614 में), 5. ऋषिमंडल यन्त्र पूजा, 6. बृहत्कलिकुंड पूजा, 7. सिद्धयन्त्र मन्त्रोद्धार स्तवन-पूजन, 8. नेमीश्वर फाग (251 पद्य)